



वरिष्ठ

राजयोगी ब्र.कु. सुरज भाई

हम हार न मान जायें, क्योंकि पॉजिटिव चिंतन ही हमारे उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेगा। सबसे महत्वपूर्ण चीज तो यह है कि हमें अपनी बुद्धि का विकास करना है। इसके लिए विद्यार्थियों को मैं कहता हूँ कि सवेरे उठकर यह स्थूल प्रैक्टिस भी करनी है, जब भी आप उठो, जल्दी उठेंगे तो

बहुत होती है। कई बच्चे सुनाते हैं कि हमें तो सब याद था लेकिन हम सब गड़बड़ कर आए। हमें कोई जल्दीबाजी नहीं करनी है एकदम धैर्यपूर्वक, शांतिपूर्वक। एग्जाम से पहले यह नहीं सोच लेना कि बहुत कम समय है क्वेश्चन बहुत हैं, नहीं तो व्यर्थ

## विद्यार्थियों की समस्यायें और उनका समाधान

हमारा जीवन बहुत मूल्यवान है। वैसे भी हमारे देश में तो यह पहले से ही मान्यता रही कि मनुष्य जीवन सभी जीवों में सर्वश्रेष्ठ है, है ही। बुद्धि है, मन है, टैलेंट्स है। यह और जीव-जन्तुओं में थोड़ा ही है। हमें अपने जीवन को वैल्यू देनी है। हम बहुत खुश रहें, हमारे जीवन में शांति ही शांति हो। तनाव, परेशानियाँ, चिंतायें न हों, बहुत प्रेम हो परिवारों में। सारी दिनचर्या हमारी बहुत सुंदर हो, अपनापन हो। यही तो सुंदर जीवन है ना! इसमें अगर किसी के मन में व्यर्थ संकल्प बहुत चलते हैं- स्वार्थ आ जाए। स्वार्थ बहुत बुरी चीज है। अनेक व्यर्थ संकल्प इससे बढ़ जाते हैं। परिवार में ही कोई अपना, अपना शत्रु बनने लगे तो संकल्पों की झड़ी लग जाती है। परिवारों में संबंधों को वैल्यू देना, मेल-मिलाप को वैल्यू देना, हमारा परिवार एक रहे इसको वैल्यू देना बहुत आवश्यकता है।

अब आगे हम विद्यार्थियों की बात ले रहे हैं। 'स्टूडेंट लाइफ इज द बेस्ट' ये कहावत तो आपने सुनी ही है। और मैं कह रहा हूँ डायमंड लाइफ। इसमें मनुष्य अपने व्यक्तित्व यानी पर्सनैलिटी का भी निर्माण करता है, वो अपने पूरे जीवन के बीज डालता है इसमें। सफलता, असफलता कैसा करियर रहेगा, खुशी में जीवन बीतेगा या चिंताओं में बीतेगा। छोटी-छोटी बातों में टेन्शन होगी या खुशनुमा रहेंगे तो इन सबका आधार है हमारा सुंदर चिंतन। पॉजिटिव भी, प्युअर चिंतन भी, कहीं पॉवरफुल थिंकिंग भी, जो ज्ञान-योग के मार्ग पर चलते हैं वो इस शब्द को अच्छी तरह समझते हैं। हमें पॉजिटिव थिंकिंग पर ध्यान देना है। हमारी थिंकिंग पॉवरफुल भी हो ताकि हम निराश ना हों,

और अच्छा इफेक्ट होगा। उठते ही 5 बार संकल्प करें मैं बुद्धिमान हूँ, एकदम विश्वास से कि मैं बुद्धिमान हूँ, मैं जो पढ़ूँगा या पढ़ूँगी मुझे सब याद रहेगा, मैं बुद्धि की मालिक हूँ, बुद्धि पर मेरा कंट्रोल है- हे बुद्धि जो मैं पढ़ूँ सबको ग्रहण कर लेना तो देखना कितना अच्छा रिजल्ट होगा। तो न तो नर्वस होना, न कमजोर पड़ना। ऐसे नहीं एग्जाम देने के

**विद्यार्थी जीवन बड़ा ही नाजुक जीवन होता है। उस समय पर उन्हें जो राह दिखायेंगे वो उसी राह पर चलने लगेंगे। इसलिए इस जीवन में सही राह चुनने के लिए, सही राह बताने के लिए, जीवन को अच्छा बनाने के लिए सही व्यक्ति का संग और सही गाइड की अति आवश्यकता होती है।**

लिए बैठे पेपर हॉल में, अब बैठ तो गये लेकिन लंबा-चौड़ा पेपर देखकर घबरा गये। पहले 1-2 क्वेश्चन देखकर मान लो नहीं आते तो मन घबराता है। बच्चों में नर्वसनेस आती है। छोटी आयु होती है- कोई 20 साल का, कोई 22 साल का। थोड़ा-सा स्टेबल करें अपने को। 15 सेकंड शांत में बैठ जाएं। शिवबाबा जो सुप्रीम फादर है उसे याद करें। तुम हमारे साथ हो, बुद्धिमानों के बुद्धिमान, बुद्धि दाता हो तुम। सफलता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है यह संकल्प करो। फिर शांत भाव से लिखना शुरू करें। नर्वसनेस से शुरू करते हैं फास्ट गति चला देते हैं मन की, तो गड़बड़

संकल्पों की रफ्तार शुरू हो जाएगी और एग्जाम देने के बाद यह भी नहीं सोचना कि पता नहीं रिजल्ट कैसा आयेगा! आप अपने रिजल्ट को भी अब से ही वायब्रेशन देने शुरू कर दो और वायब्रेशन जायेंगे आपकी पॉजिटिव थिंकिंग से। मेरा एग्जाम क्लियर हो गया है। कम्प्यूटर देख रहे हैं, मेरा नम्बर लिखा हुआ है। एक बात और जो बहुत इम्पोर्टेंट है- एक लड़के ने बी.ए. कर लिया, बी.टेक. कर लिया। तब कोरोना भी आ गया था तो 6 साल हो गये। नौकरी भी नहीं मिली। फिर उसके फादर की कोरोना से मृत्यु हो गई तो उसे क्लेरिकल जॉब मिल रही थी। अब मेरे पास मिलने आया और मुझे पूछा अभी मैं क्लर्क बनूँ? है तो गवर्नमेंट की जॉब लेकिन मुझे लोग क्या कहेंगे कि बी.टेक. करके बाबू बन गया। लेकिन 6 साल से कोई रोजगार नहीं। मन पर कितना बुरा असर पड़ता है। इसलिए लोग क्या कहेंगे इस बारे में सोच-सोच कर ज्यादा निगेटिव, व्यर्थ, चिंतायें यह सब नहीं पालनी हैं। मैंने उसे कहा कि अब तुम्हें मिल रहा है ना तो 1 साल के लिए ही ज्वॉइन कर लो, छोड़ना तो अपने हाथ में होता है। और दूसरी तरफ अच्छी तैयारी करो। साथ ही साथ और कहीं भी एप्लाई भी कर दो। आपका मन शांत स्थिति में आ जाएगा और वहीं जॉब में आपको कुछ पैसा भी मिलेगा, आपका टाइम भी सफल होगा।

समय पर मनुष्य को जो कुछ मिले उसको लेकर आगे बढ़ जाना चाहिए। इससे एक द्वार खुला है फिर आगे बढ़कर हो सकता है चार द्वार खुले हुए और नजर आ जाएं तो निराशा के द्वार बंद करके बहुत पॉजिटिव रहते हुए, स्वयं को मुक्त करके सभी विद्यार्थी अपनी मनोस्थिति अच्छी बनाएं। याद रखेंगे आपका मन जितना सुंदर विचारों में होगा सफलता उतनी आपके पीछे परछाई की तरह आएगी।



**जयपुर-वैशाली नगर(राज.)।** अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 50 दिवसीय काउंटडाउन के तहत देशभर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस श्रृंखला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'हर घर योग हर आंगन योग' की मुहिम के तहत आयुष मंत्रालय के मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान द्वारा जयपुर के योग प्रेमियों के लिए आयोजित विराट योग महोत्सव को राज्यपाल कलराज मिश्र ने सम्बोधित किया। इस विराट योग महोत्सव को सफल बनाने वाले विभिन्न योगाचार्यों व योग संस्थानों के प्रतिनिधियों सहित ब्रह्माकुमारीज से राजयोगीनी ब्र.कु. सुषमा दीदी को केन्द्रीय आयुष मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने साफा पहनाकर एवं केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी व जयपुर से सांसद रामचरण बोहरा ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर केन्द्रीय संस्कृति एवं संसदीय कार्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, केन्द्रीय आयुष राज्य मंत्री महेंद्र मुंजपाप, आयुष मंत्रालय सचिव वैद्य राजेश कोटेशा, योग महोत्सव 2023 के आयोजक मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के निदेशक डॉ. ईश्वर वी. बसवरेड्डी, जयपुर ग्रेटर महापौर सोम्या गुर्जर, उप महापौर पुनीत कर्णावट, अनेक सांसदाण, जनप्रतिनिधिगण एवं आमजन उपस्थित रहे।



**बहल-हरियाणा।** विकास एवं पंचायत राज्यमंत्री देवेन्द्र सिंह बबली को ईश्वरीय सौगत भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शकुन्तला बहन एवं ब्र.कु. पूनम बहन। साथ हैं विधायक घनश्याम सर्राफ, जिला उपायुक्त नरेश नरवाल, जननायक जनता पार्टी के नेता विजय गोठड़ा, ब्र.कु. अशोक सोनी, ब्र.कु. रोशन लाल तथा अन्य।



**नंगल टीडीआई सिटी-हरियाणा।** ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र पर रेसलर्स के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में सोनीपत विधायक सुरेंद्र पवार, कुंडली म्युनिसिपल काउंसलर श्रीमति नीलम कौरिक, सोनीपत म्युनिसिपल काउंसलर सूर्य कुमार, डेरावल नगर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रानी दीदी, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. गीता दीदी, ब्र.कु. पूजा दीदी सहित बड़ी संख्या में भाई-बहनें शामिल रहे।



**हाथरस-आनंदपुरी कॉलोनी(उ.प्र.)।** 'मातृशक्ति स्नेह मिलन' कार्यक्रम में श्वेता दिवाकर, नवनिर्वाचित नगरपालिका अध्यक्ष को ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. शान्ता बहन। साथ हैं पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष परग वाणाण्य, पारुल बहन, ज्योति बहन तथा अन्य।



**गुंजाबरी-कूच बेहर(प.बंगाल)।** पहले बैसाख में आयोजित 'नाट्य मेला उत्सव' कार्यक्रम के दौरान उपस्थित हैं सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सम्पा बहन, एस.पी. सुमित कुमार व उनके माता-पिता तथा बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट दलीप सिंह।



**जयपुर-बनिपार्क(राज.)।** राजस्थान होमगार्ड ट्रेनी को सकारात्मकता विषय पर सम्बोधित करने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. कुणाल भाई, ब्र.कु. दीपि बहन व अन्य।



**भरतपुर-राज।** मातृ दिवस के कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए श्रीमति मंजू सिंघल, अध्यक्ष डिस्ट्रिक्ट लेडीज क्लब, ब्र.कु. प्रवीणा बहन, श्रीमति किरण सेनी, श्रीमति वीना लोहिया, श्रीमति संजू, ब्र.कु. जागृति बहन, भारत माता, ब्र.कु. नीरू बहन तथा ब्र.कु. प्रेम बहन।



**बहादुरगढ़ से.2-हरियाणा।** ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र पर मातृ शक्ति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विनीता दीदी, बहादुरगढ़ सेवाकेन्द्र की मुख्य संचालिका ब्र.कु. अंजलि दीदी, ब्र.कु. रूबी बहन, ब्र.कु. लक्ष्मी बहन, ब्र.कु. कोमल बहन, भरत भाई, सुनंदा बहन, सदीप भाई, कृष्णा बहन, अंजू बहन, तथा 50 से अधिक मातायें शामिल रहीं।